ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

Fragrant Flower For Today

अपनी विशेषताओं एवं गुणों को आप प्रभु प्रसाद समझते हो।

आप विनम्र हो। 😊

You consider your special qualities and virtues as God's offerings.

Your are humble! 😊

दादी प्रकाशमणि जी की विशेषतायें

एक बल एक भरोसे में नम्बरवन

दादी की बुद्धि कहाँ भी अटकी नहीं। न अटकी, न चटकी, उन्होंने कभी किसी देहधारी को सहारा नहीं बनाया। सदा एक बल, एक भरोसे के आधार पर हर कार्य में सफलता प्राप्त की। उन्होंने अपने मार्गदर्शन में, एक बल एक भरोसे के आधार पर यज्ञ का इतना बड़ा विस्तार किया। ओम् शान्ति भवन से लेकर, ज्ञान सरोवर, शान्तिवन, मनमोहिनीवन आदि का जो विस्तार हम सब देख रहे हैं, यह उनके दृढ़ संकल्प, एक बल एक भरोसे का प्रत्यक्ष प्रमाण है। वे सम्पूर्ण निश्चयबुद्धि, निश्चिंत स्थिति में रहती, सदा यही ध्यान रहता कि करनकरावनहार बाबा है, हम निमित्त हैं, उनके बोल व चलन में कभी मैं-पन नहीं आया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

अव्यक्त शिक्षाएँ

अभी कोई ने नहीं पूछा तो 2500 वर्ष आपको पूछेंगे? एक जन्म में कोई पूछे या 2500 वर्ष कोई पूछे, तो ज़्यादा क्या हुआ। वह ज्यादा है ना। हद के संकल्प से परे होकर बेहद के सेवाधारी बन बाप के दिलतख्तनशीन बेपरवाह बादशाह बन, संगमयुग की खुशियों को, मौजों को मनाते चलो। कभी भी कोई सेवा उदास करे तो समझो वह सेवा नहीं है। डगमग करे, हलचल में लाये तो वह सेवा नहीं है। सेवा तो उड़ाने वाली है। सेवा बेगमपुर का बादशाह बनाने वाली है। ऐसे सेवाधारी हो ना? बेपरवाह बादशाह, बेगमपुर के बादशाह। जिसके पीछे सफलता स्वयं आती है। सफलता के पीछे वह नहीं भागता। सफलता उसके पीछे-पीछे है।

अ.बापदादा-22.02.86

1. यह 5 विकार आधाकल्प के दुश्मन हैं, वह भी छोड़ते नहीं हैं। सब चिल्लाते हैं क्रोध करना पड़ता है, परन्तु दरकार क्या पड़ी है, प्यार से भी काम हो सकता है। चोर को भी प्यार से अगर समझायेंगे तो वह झट सच कह देंगे

2. जिनका स्वभाव मीठा, शान्तचित है उस पर क्रोध का भूत वार नहीं कर सकता

"शंकर स्वरूप"

↓

ब्रह्मा हम ब्रह्माण का ही

यादगार

मेहनत का तपस्या का

"विकारों" रूपी

जहरीले

सांपों

को गले

की माला

बनाने वाले →

"शंकर समान"

तपस्वीमूर्त भव

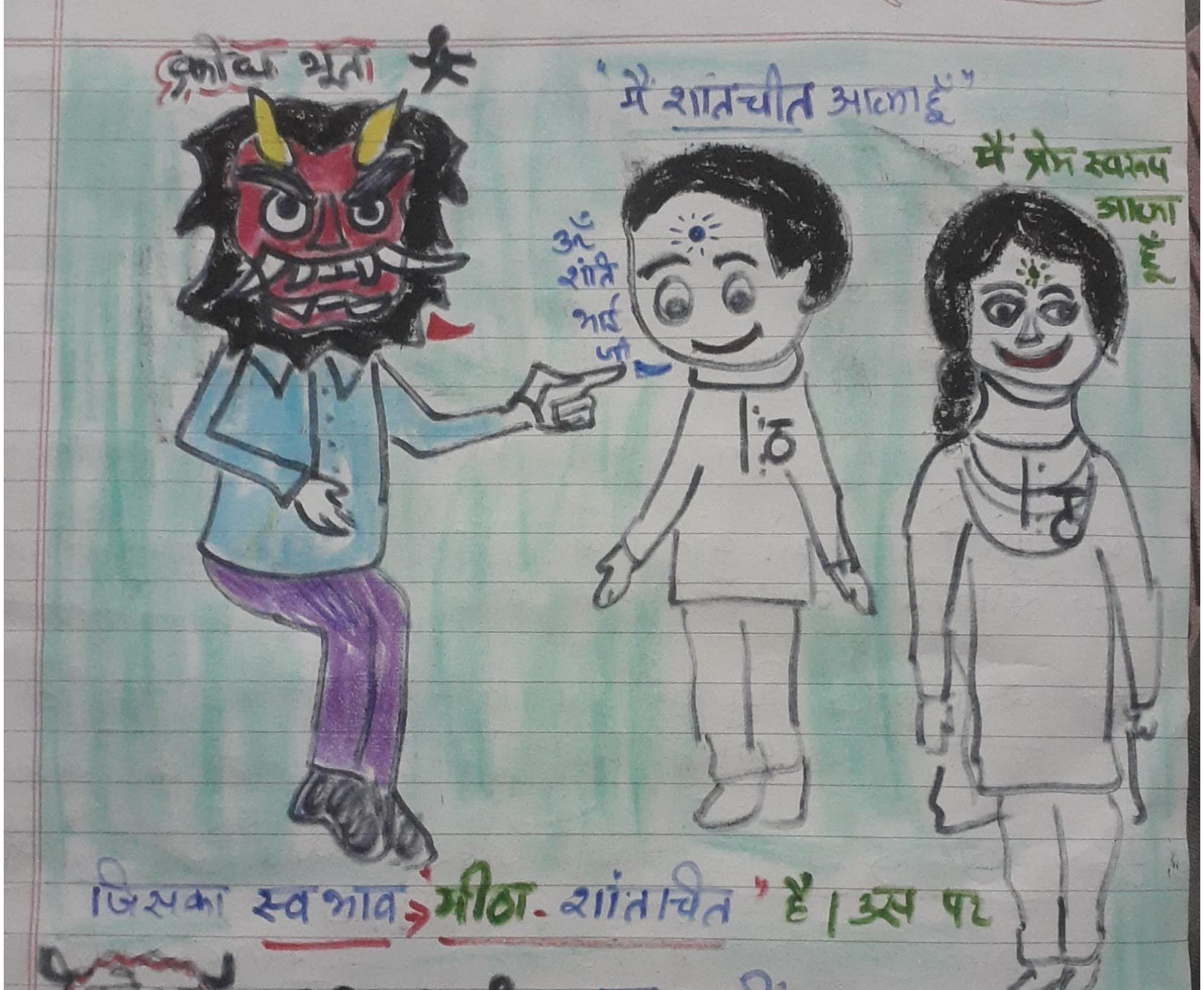

जिसका स्वभाव "मीठा-शांतचित" है। उस पर क्रोध का भूत वार नहीं कर सकता।

अच्छा ॐ शांति

हम सही रस्ते चलते हैं, फिर भी -
जीवन में समस्याएं आती हैं,
लोग विघ्न डालते हैं और
कोई भी साथ नहीं देता।

सिर्फ याद रखना -
सत्य की नाव हिलती है, डोलती है,
लेकिन कभी डूबती नहीं।

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org